

Padma Shri



SMT. RAMILABEN RAYSINGBHAIR GAMIT

Smt. Ramilaben Raysingbhai Gamit, is a social worker, who is working in the different fields of social upliftment work such as health, women and child development, agriculture, skill development of village people economic upliftment.

2. Born on 1st June 1969 at Taparwada Village, Tapi, Gujarat, Smt. Gamit studied up to 10th standard. Her dream was to do something best for the benefit of the society and country.

3. Inspired by the Swachh Bharat Mission by Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, Smt. Gamit helped to construct more than 700 toilets under the banner of Rseti and bring awareness on toilet sanitation campaign. Towards Sakhi Mandals, Self help Groups (SHGs) under the Government programmes Pradhan Mantri Skill Development and towards Atma Nirbhar Bharat, she has made 162 SHGs women groups and linked to banks and given Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojna, Pradhan Mantri Jivan Jyoti Yojna, Atal Pension Yojna and Sukanya Yojna. In coordination with Government Departments, she worked to arrange meetings and brought farmers to Kisan Vikas Kendras (KVK) to learn modern techniques of agriculture for healthy soil and better produce from farming. She created social health awareness by arranging 30 blood donation camps, health awareness seminars in the tribal belt. She also worked for the 'Sahi Poshan to Desh Roshan Abhiyan' by the Government through linkages with the people and the ICDS Department at grass root level as well as Block and District level. She specially focused on awareness on nutrition among children, women and pregnant women.

4. Smt. Gamit created strong healthy networking with Government Department 181 Abhiyan women helpline for the women protection. She worked for the widow's empowerment by providing them the benefits of widow schemes pension Yojna, rehabilitation, bank loans and old age pension benefits beyond the age 60 years. She also helped and motivated young generation to actively participate in the sports event Khello India at national level and Khel Mahakumbh at State level. During the unexpected situation of Covid 19 pandemic, she grouped Sakhi Mandal groups to spread awareness among villages and also took leadership by providing ration kit, clothes, masks, hand sanitizers to the needy and poor people.

5. Smt. Gamit has received several honours and awards including 'Swachh Shakti' Award in 2017 for her outstanding performance under "Swachh Bharat Abhiyan"; "Abhayam" Mahila Sammelan, Tapi for best work for women security in 2018 and also "Nari tu Narayani Award" at Ahmedabad etc.

पद्म श्री



श्रीमती रमीलाबेन रायसींगभाई गामीत

श्रीमती रमीलाबेन रायसींगभाई गामीत एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो सामाजिक उत्थान के अलग-अलग क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, महिला व बाल विकास, कृषि, ग्रामीणों का कौशल विकास, आर्थिक उन्नति आदि में काम कर रही हैं।

2. 1 जून 1969 को तापरवाडा गांव, तापी, गुजरात में जन्मी, श्रीमती गामीत ने 10वीं तक पढ़ाई की। उनका सपना समाज और देश के हित के लिए कुछ बेहतरीन करना था।

3. माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन से प्रेरित होकर श्रीमती गामीत ने रसेटी के बैनर तले 700 से ज्यादा शौचालयों के निर्माण और शौचालय स्वच्छता अभियान के बारे में जागरूकता लाने में मदद की। सरकारी कार्यक्रमों, प्रधानमंत्री कौशल विकास के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) सखी मंडलों और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में, उन्होंने 162 एसएचजी महिला समूह बनाए हैं और उन्हें बैंकों से जोड़ा है जिससे उन्हें प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधान मंत्री जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना और सुकन्या योजना का फायदा मिला है। उन्होंने सरकारी विभागों के सहयोग से बैठकें आयोजित कीं और वे किसानों को किसान विकास केंद्रों (केवीके) में लेकर आई ताकि वे स्वस्थ मिट्टी और खेती से बेहतर उपज के लिए कृषि की आधुनिक तकनीकें सीख सकें। उन्होंने आदिवासी इलाकों में 30 रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनारों का आयोजन करते हुए सामाजिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा की। उन्होंने ग्रामीण/पंचायत स्तर के साथ-साथ ब्लॉक और जिला स्तर पर लोगों और आईसीडीएस विभाग के साथ संपर्क के द्वारा सरकार के 'सही पोषण से देश रोशन अभियान' के लिए भी काम किया। उन्होंने खास तौर पर बच्चों, महिलाओं और गर्भवती महिलाओं के बीच पोषण को लेकर जागरूकता पर ध्यान केंद्रित किया।

4. श्रीमती गामीत ने महिला सुरक्षा के लिए सरकारी विभाग 181 अभियान महिला हेल्पलाइन के साथ मजबूत नेटवर्किंग बनाई। उन्होंने विधवाओं के सशक्तीकरण के लिए उन्हें विधवा योजनाओं पेंशन योजना, पुनर्वास, बैंक ऋण और 60 वर्ष की आयु के बाद वृद्धावस्था पेंशन के लाभ दिलाए। उन्होंने युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय स्तर पर खेलो इंडिया और राज्य स्तर पर खेल महाकुंभ में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कोविड 19 महामारी की अप्रत्याशित स्थिति के दौरान, उन्होंने गांवों में जागरूकता फैलाने के लिए सखी मंडल समूहों को एकजुट किया और जरूरतमंद तथा गरीब लोगों को राशन किट, कपड़े, मास्क, हैंड सैनिटाइज़र प्रदान करते हुए नेतृत्व क्षमता भी दिखाई।

5. श्रीमती गामीत को कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जैसे "स्वच्छ भारत अभियान" में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 2017 में 'स्वच्छ शक्ति' पुरस्कार; 2018 में महिला सुरक्षा में बेहतरीन कार्य के लिए "अभयम" महिला सम्मेलन, तापी और अहमदाबाद में "नारी तू नारायणी पुरस्कार" आदि।